राजसमंद जन विकास संस्थान

राजसमंद महिला मंच (संगठन)

राजसमन्द जन विकास संस्थान

वार्षिक रिपोर्ट
2023-24

संपादन – शकुन्तला पामेचा
मार्गदर्शन – अरविन्द कुमार पामेचा
लेखन एवं डिजायन – भूपेन्द्र सिंह राजपुत
सहयोग – संस्थान समस्त स्टाफ
प्रकाशन – राजसमन्द जन विकास संस्थान

(प्रकाशित सभी तस्वीर परियोजना तथा प्रकाशन से सम्बन्धित अनुमति ली गयी हैं)

राजसमन्द जिला **OBC** बाहुल्य क्षेत्र होने पर भी यहां पर महिलाओं की शिक्षा का स्तर अच्छा नहीं हैं। जिले में अन्धविश्वास और अन्य कुरुतियों का भार महिलाओं को ढोना पड़ रहा हैं। महिलाओं, किशोर.किशोरियों व बच्चों की सामाजिक, आर्थिक व शेक्षणिक स्थिति को सुधारने व महिलाओं का सशक्तिकरण करने के लिए सन् 2003 में राजसमन्द जन विकास संस्थान की स्थापना की गई। विकास में महिलाओं की भागीदारी को बढावा देने के लिए तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए जनमत बनाकर जिला स्तर पर 1998 से महिला मंच संगठ्न के रुप में भी कार्य कर रहा हैं।

विजन

एक ऐसे समाज का निर्माण करना जो विशेषकर महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के लिए समान अवसर, न्याय, समानता और सम्मान सुनिश्चित करें।

मिशन

समाज में समानता के लिए आवश्यक वातावरण का निर्माण

अनुक्रमणिका

5 निदेशक की कलम से

6 हमारे मुख्य कार्यक्षेत्र

7 हमारी पहुंच

8 इस वर्ष विशेष

10 जागृति परियोजना

12 आगाज परियोजना

14 A 2 J परियोजना

16 सुकून परियोजना

18 अपराजिता परियोजना

20 महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम

22 नारी अदालत

23 महिला मंच संगठन

24 पुस्तकालय

25 मुख्य दिवस का आयोजन

26 कार्यकारिणी व साधारण सभा

27 सुर्खीयां

28 ऑडिट रिपोर्ट

31 हमारे सहयोगी

निदेशक सन्देश

प्रिय साथियों, मैं आप सभी को बधाई देना चाहुंगी की संस्थान ने इस वर्ष अपने 21 वर्ष पूर्ण कर लिये हैं। इन 21 वर्षों की यात्रा में संस्थान ने जो सफलता प्राप्त की है, वो आप सभी की मेहनत, मार्गदर्शन व सहयोग का ही परिणाम हैं।

यह बहुत खुशी की बात हैं कि राजसमन्द जन विकास संस्थान द्वारा वर्ष 2023-24 के वार्षिक प्रतिवेदन का प्रकाशन किया जा रहा हैं। प्रतिवेदन में गत वर्ष में किए गये विशेष और उत्साहवर्धक कार्यों का विवरण हैं जो कि हमारे संस्था संगठन की महिलाओं, किशोर एवं किशोरियों द्वारा किए गये हैं।

इस वर्ष राजसमन्द जिले में महिला हिंसा में कमी लाने व न्याय दिलाने हेतु संचालित नारी अदालत द्वारा किये गये प्रयासों का विवरण हैं साथ ही राजसमन्द व भीलवाड़ा जिले में बाल विवाह में कमी लाने हेतु किशोर - किशोरियों के साथ किये जा रहे कार्यों का विवरण भी देखने को मिलेगा।

इस वर्ष दो नयी परियोजनाओं की शुरुआत भी हुई हैं जिसके तहत महीलाओं को सम्मानपूर्ण जीवन हेतु माहौल तैयार करना हैं साथ ही बच्चों की न्याय तक पहुंच सूनिश्चित करने हेतु भी कार्य किया गया।

महिलाओं को कानूनी रुप से सशक्त करने के साथ ही सामाजिक व आर्थिक रुप से सशक्त बनाने हेतु महिला स्वयं सहायता कार्यक्रम का विवरण भी प्रस्तुत हैं, जिसमें आप देखेंगे की महिलाओं ने अपनी बचत व बैंक से जुड़ाव कर आजिविका संवर्धन के कार्य भी शुरु किये है जिससे उन्हें आर्थिक रुप से भी संबल मिला हैं। आशा है यह प्रकाशन आप सभी सहभागीयों को सामाजिक हित का सन्देश प्रदान करेगा।

आपका सहयोग व मार्गदर्शन निरंतर बनाएं रखें।

शुभकामनाओं के साथ. . .

शकुन्तला पामेचा

मुख्य कार्यक्षेत्र

महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा व आजिविका

किशोर-किशोरियों का सशक्तिकरण

बच्चों का सर्वांगीण विकास

हमारी पहुंच

जिलें - 21	ब्लॉक - 63	ग्राम पंचायत-402	गांव - 1483

1. अजमेर
2. बांसवाड़ा
3. बाडमेर
4. भीलवाड़ा
5. बांरा
6. ब्यावर
7. डूंगरपुर
8. दौसा
9. डिडवाणा
10. फलोदी
11. जालोर
12. झालावाड़
13. झुंझुनू
14. कोटा
15. पाली
16. प्रतापगढ़
17. राजसमन्द
18. सीकर
19. सिरोही
20. सलुम्बर
21. उदयपुर

इस वर्ष विशेष

अप्रेल

राजसमन्द व भीलवाड़ा जिलें में ग्राम पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समितियों का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण

मई

संस्थान स्थापना दिवस महिलाओं व किशोर-किशोरियों के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया

जून

एक नये जिलें में कदम : बाल संरक्षण, सुरक्षा व पुनर्वास हेतु सिरोही जिलें में एक नयी परियोजना की शुरुआत

जुलाई

पायलट रुप से राजसमन्द जिलें के 3 ब्लॉक में ग्राम पंचायत, ब्लॉक व जिला स्तरीय बाल संरक्षण समितियों के साथ बैठके

अगस्त

राजसमन्द व भीलवाड़ा जिलें के 8 ब्लॉक में किशोरी लिडर क्षमतावर्धन प्रशिक्षण

सितम्बर

संस्थान कार्मिकों का वार्षिक भ्रमण चकाचक महादेव के चकाचक दाल, बाटी, चुरमा

इस वर्ष विशेष

अक्टूबर

एक नयी परियोजना की शुरुआतः महिलाओं व किशोरियों के सम्मानपूर्ण जीवन हेतु

नवम्बर

AJWS व EMpower से विदेशी मेहमानों ने फिल्ड विजिट कर हमारे काम को देखा व जाना

दिसम्बर

राजसमन्द जिलें के 3 ब्लॉक की किशोरियों के शैक्षणिक भ्रमण के दौरान पुलिस विभाग द्वारा उत्साहवर्धन

जनवरी

राजसमन्द व भीलवाड़ा जिले के किशोर-किशोरियों हेतु करियर परामर्श शिविर का आयोजन

फरवरी

One Billion Rising
के तहत नाता-प्रथा पर "हिंसा से महिलाओं की आजादि" कार्यक्रम का आयोजन

मार्च

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस भीम ब्लॉक के बघाना गांव में महिलाओं के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया

जागृति

परियोजना

2 जिलें

5 ब्लॉक

50 गांव

100 किशोरी व महिला समूह

50 किशोर समूह

जल्द/जबरन/बाल विवाह में कमी लाना

राजसमन्द व भीलवाड़ा जिले के 05 ब्लॉक के 50 गांवों में जागृति परियोजना के माध्यम से लगभग 3000 किशोर - किशोरियों के साथ प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष रूप से संवाद कायम किया हैं।

किशोर-किशोरियों के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने हेतु बैठक, प्रशिक्षण, कार्यशालाओं के माध्यम से नियमित संवाद किया, साथ ही बाल विवाह में परिवार की भी भूमिका होती हैं इसके लिए महिलाओं के समूह बनाकर उनके व्यवहार में बदलाव लाने का कार्य भी किया हैं। पिता-पुत्री कार्यशाला के माध्यम से बाल विवाह के दुष्प्रभावों पर समझ बढाने तथा किशोरियों की भावनाओं व इच्छा के विपरित विवाह नहीं करने पर भी संवाद कायम किया हैं।

किशोर-किशोरियों के साथ विविध विषयों पर सक्रियता पूर्वक काम करने का संस्थान का लम्बा अनुभव रहा हैं। संस्थान ने युवाओं के विभिन्न मुद्दों पर समझ बनाई हैं और उन्हें सतत रूप से ज्ञान व कौशल प्रदान किया जा रहा हैं।

बाल विवाह, महिला हिंसा, जेंडर, शिक्षा, स्वास्थ्य, माहवारी प्रबन्धन, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य व पोषण आदि विषयों पर संस्थान ने विगत 20 वर्षो में गहरा अनुभव प्राप्त किया है तथा इस सीख को समुदाय के साथ साझा कर बदलाव की मुहिम में अहम भूमिका निभाई हैं।

3000+
किशोर-किशोरीयां व महिलाओं का क्षमतावर्धन

180+
बाल संरक्षण समिति सदस्यों का क्षमतावर्धन

100+
परिवारों का सरकारी योजनाओं से जुड़ाव

80+
किशोर-किशोरीयों का शिक्षा से जुड़ाव

50+
स्कूल की मुलभूत सुविधाओं में सुधार

90+
स्कूल एसएमसी में जुड़ाव

आगाज परियोजना

किशोर-किशोरियों को सशक्त कर बाल संरक्षण समितियों के माध्यम से बाल विवाह में कमी लाना

जिला - राजसमन्द

ब्लॉक - आमेट, खमनोर व राजसमन्द

गांव - प्रत्येक ब्लॉक की दो-दो ग्राम पंचायत के 6-6 गांव

राजसमन्द जिले के 03 ब्लॉक (खमनोर, आमेट व राजसमन्द) के 18 गांवों में आगाज परियोजना के माध्यम से लगभग 1000 किशोर - किशोरियों के साथ बैठकों, प्रशिक्षणों के माध्यम से प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष रूप से सशक्तिकरण हेतु कार्य किया गया।

खासतौर से बाल विवाह, शिक्षा, स्वास्थ्य व एडवोकेसी पर ध्यान केन्द्रित करते हुए किशोर-किशोरियों के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने हेतु नियमित संवाद किया, साथ ही बाल विवाह में कमी लाने व रोकथाम हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर बनी हुई बाल संरक्षण समितियों को सक्रिय करने का कार्य किशोरियों के माध्यम से किया गया।

परियोजना के तहत ग्राम पंचायत स्तर की बाल संरक्षण समितियों को प्रभावी भूमिका निभाने हेतु ब्लॉक व जिला स्तर पर विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य योजना के अनुरूप बाल विवाह के प्रति जागरूकता के कार्य किये गये।

1000+
किशोर-किशोरीयां का क्षमतावर्धन

120+
बाल संरक्षण समिति सदस्यों का क्षमतावर्धन

100+
परिवारों का सरकारी योजनाओं से जुड़ाव

80+
किशोर-किशोरीयों का शिक्षा से जुड़ाव

50+
स्कूल की मुलभूत सुविधाओं में सुधार

Access

2

Justice

50

गांव

जिला - सिरोही

ब्लॉक - पिण्डवाड़ा और आबुरोड़

पिड़ित बच्चों की न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करना

परियोजना

कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन के सहयोग से बच्चों की न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल अधिकारिता विभाग, बाल कल्याण समिति, पुलिस विभाग व अन्य स्टेकहॉल्डर के साथ मिलकर बच्चों को संरक्षण व पुनर्वास प्रदान किया गया। समुदाय के साथ जागरूकता अभियान तथा सम्बन्धित विभागों के साथ जिला स्तरीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

100000+

बाल विवाह नहीं करने की शपथ

40+

जल्द/जबरन/बाल विवाह रुकवाये

30+

बाल श्रमिको को मुक्त करवाया

15+

बाल यौन शोषण के मामलों में हस्तक्षेप

सुकून परियोजना

10

गांव

जिला – राजसमन्द

ब्लॉक – कुम्भलगढ़ और भीम

लिंग आधारित हिंसा मुक्त समाज का निर्माण

राजसमन्द जिले के 02 ब्लॉक (कुम्भलगढ़ व भीम) के 10 गांवों में सुकून परियोजना के माध्यम से लगभग 10000 किशोर - किशोरियों व महिलाओं के साथ बैठकों, प्रशिक्षणों के माध्यम से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से लिंग आधारित हिंसा मुक्त समाज निर्माण हेतु कार्य किया जा रहा हैं।

खासतौर से हिंसा, लिंगभेद, आजिविका वर्धन, सरकारी योजनाओं से जुड़ाव व विभिन्न मुद्दों पर एडवोकेसी का कार्य किया जा रहा हैं।

किसी भी महिला के साथ किसी भी तरह की घटना होने पर महिला परियोजना कार्यालय में परिवाद दर्ज करवाती हैं तथा परियोजना टीम के द्वारा एडवोकेसी व पुलिस विभाग के सहयोग से महिलाओं को न्याय दिलाने हेतु कार्य किया जाता हैं। महीलाओं व किशोर-किशोरियों के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने हेतु प्रतिमाह अलग-अलग विषयों पर बैठकों के माध्यम से क्षमतावर्धन किया जाता हैं।।

परियोजना के तहत किशोरियों व महिलाओं की आजिविका वर्धन हेतु रूची अनुसार रोजगार परक प्रशिक्षणों का आयोजन किया जाता हैं तथा ई-मित्र के माध्यम से सरकारी योजनाओं से जुड़ाव का कार्य भी किया जा रहा हैं।

500+

किशोर-किशोरीयां का क्षमतावर्धन

ईमित्र सेवा केन्द्र एक नवाचार

100+

परिवारों का सरकारी योजनाओं से जुड़ाव

50+

महिलाओं व किशोरियों को आजिविका वर्धन प्रशिक्षण

10+

कानूनी मामलों मे हस्तक्षेप

अपराजिता

20	55	1425
जिलें	ब्लॉक	गांव

एकल नारी सशक्तिकरण

राजस्थान के 20 जिलो के 55 ब्लॉक के 1425 गांवों में पराजिता परियोजना के माध्यम से लगभग 30000 एकल महिलाओं के साथ बैठकों, प्रशिक्षणों व विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रत्यक्ष रूप से उन्हें सशक्त करने हेतु कार्य किया जा रहा हैं।

खासतौर से हिंसा, लिंगभेद, आजिविका वर्धन, सरकारी योजनाओं से जुड़ाव व विभिन्न मुद्दों पर एडवोकेसी व सहयोग का कार्य किया जा रहा हैं।

विशेष रूप से पेंशन, राशन, नरेगा, पालनहार योजनाओं का लाभ लेने में आरही समस्याओं के समाधन हेतु सहयोग कर एकल महिलाओं की मदद की जा रही हैं। पेंशन व पालनहार की राशी में वृद्धि हेतु सरकार के साथ एडवोकेसी का कार्य किया जा रहा हैं।।

परियोजना के तहत महिलाओं की आजिविका वर्धन हेतु रूची अनुसार रोजगार परक प्रशिक्षणों से जुड़ाव व जमीन तथा सम्पत्ति का हक दिलवाने हेतु भी कानूनी परामर्श व सहयोग प्रदान किया जाता हैं।

30000+

एकल महिलाओं को सहयोग

5400+

परिवारों का सरकारी योजनाओं से जुड़ाव

120+

महिलाओं को आजिविका वर्धन प्रशिक्षण

20+

कानूनी मामलों मे हस्तक्षेप

महिला सशक्तिकरण

23
स्वयं सहायता समूह

35
महिलाओं का आजिविका वर्धन

243
महिला समूह सदस्य

राजसमन्द जिले के खमनोर, रेलमगरा व राजसमन्द ब्लॉक में हाशिए पर रहने वाले परिवारों, विशेषकर महिलाओं को स्वयं सहायता समूह से जोड़कर, एक प्रभावी मंच तैयार कर, सामाजिक व आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से इस वर्ष स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम की शुरूआत की गयी।

इस कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं की छोटी-छोटी आवश्यकताओं की पुर्ति हेतु बचत की समझ बनाई गयी तथा इस बचत के माध्यम से समूह स्तर पर एक दूसरे की मदद की जा रही हैं। इसके साथ ही महिलाओं की आजिविका संवर्धन हेतु बैंक से जुड़ाव कर रोजगार करने हेतु लोन भी दिलवाया गया।

अणी समूह में जुड़वा बाद म्हारी जिन्दगी बदल गी। अबे मूं म्हारी नेनी-नेनी जरुरत रे वास्ते खुद पईसा कमा सकूं हूं। मने कनाई हामे रोज-रोज हाथ नी फैलाना पड़े और जरुरत पड़वा पे मूं म्हारा पावणा री भी मदद करु हुं, वणी बाद वणा रो व्यवहार भी म्हारे वास्ते और ज्यादा हाउ वैगीयों।

महिलाओं ने स्थायी आजिविका, वित्तिय और सार्वजनिक सेवाओं तक बेहतर पहुंच के माध्यम से बकरी पालन, सिलाई कार्य, गुलदस्ते बनाना, किराणे की दूकान, आदि रोजगार के द्वारा पारिवारिक आय में भी बढोतरी की हैं। जिससे परिवार में महिलाओं के प्रति सम्मान बढा हैं तथा महिलायें आर्थिक व सामाजिक रूप से सशक्त बनी हैं।।

3 लाख+
कुल बचत

10 लाख+
कुल ऋण

नारी अदालत

कुल परिवाद आये

2119

कुल परिवाद का निस्तारण किया

1900

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण – 5 **(NFHS-5)** के अनुसार आज भी समाज में 25 प्रतिशत महिलाओं को किसी न किसी रुप में घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता हैं। जिससे परिवार और समाज के नैतिक मुल्यों का हनन हो रहा हैं। समाज में शांतिपूर्ण व्यवस्था बनाए रखने के लिए और हमारी संस्कृति को जिंदा रखने के लिए, कई सरकारी और गैर सरकारी संस्थान घरेलू हिंसा और पारिवारिक विवादों को रोकने के लिए प्रयासरत हैं। राजसमन्द जन विकास संस्थान सन 2003 से परिवारों को जोड़कर रखने के लिए नारी अदालत का सफल संचालन कर रही हैं। जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में महिलाओं, बच्चों और पीड़ित व्यक्ति को हिंसा व भयमुक्त परिवार व समाज उपलब्ध करवाना हैं। उन्हें अपने मूल अधिकारों के प्रति जागरुक करना हैं। राजसमन्द जन विकास संस्थान का प्रयास एक पारिवारिक हिंसा मुक्त समाज की स्थापना करना है और इसके लिए दोनों पक्षों को साथ बैठाकर समझाइस व परामर्श करवाया जाता हैं ताकि गलतफहमी दूर हो सकें और प्रेम पूर्ण संबंध स्थापित हो सकें। इस वर्ष नारी अदालत में जो 20 पारिवारिक विवाद आये उनमें से 19 का निस्तारण किया गया। मुख्य रुप से दहेज उत्पीड़न, मारपीट, यौनशोषण, आर्थिक व मानसिक हिंसा, विवाह एवं संतान सम्बन्धित विवाद थे।

महिला मंच संगठन

राजसमन्द महिला मंच, जिसे महिला मंच के नाम से भी जाना जाता हैं। 14 मई 1998 को राजसमन्द जिले में अस्तित्व में आया । यह एक जन संगठन होने के नाते गरीबों, पीड़ितों, वंचितो व निराश्रितों का एक स्वतंत्र संगठन हैं, जिसकी शुरुआत सबसे पहले आस्था संस्थान के सहयोग से राजसमन्द जिले के एक ब्लॉक से की गई। महिला मंच समाज में मौजूदा सामाजिक और रुढ़िवादी परंपराओं से पीड़ित महिलाओं के सशक्तिकरण का अवसर प्रदान करता हैं। इसने सामुदायिक हिंसा, घरेलु हिंसा के खिलाफ उनके संघर्ष में जाति, पंथ और धर्म से ऊपर उठकर महिलाओं के विभिन्न समूहों का समर्थन किया हैं और अपने दैनिक जीवन में पूर्वाग्रह और बहिष्कार से निपटने वाली एकल महिलाओं के बीच विश्वास पैदा किया हैं।

आज महिला मंच 13000 से अधिक महिलाओं का दावा करता है जो लाभान्वित हुई और सशक्त बनी हैं। उन महिलाओं ने जीवन का एक नया तरीका सीखा है, अपने अधिकारों के लिए जोर देना शुरु किया है और कई महिलायें आजीविका गतिविधियों में शामिल हो गई हैं।

पिछले 21 वर्षों के दौरान राजसमन्द महिला मंच ग्रामीण महिलाओं को घरेलू हिंसा, खाद्य सुरक्षा, मनरेगा, आरटीआई जैसे अधिकार आधारित कार्य, सरकारी योजनाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए सार्वजनिक सुनवाई, बाल विवाह की रोकथाम और ग्रामीण लड़कियों को समर्थन और प्रेरित करने जैसे मुद्दों पर मदद कर रहा हैं।

OUR IMPACT

2,30,412	**26,558**	**2,172**	**1872**	**1,180**	**2,806**
People become aware and empowered from diffrent meetings	People access the entitlements from government and non-government schemes through RJVS & RMM support	Surving women of violence counseled with families leading happy life and legal advice provide when required.	Girls enrolled over last three years for further education	adolescents took written oath for not getting married early	people supported during disaster from daught

पुस्तकालय

राजसमन्द जन विकास संस्थान और महिला मंच ने दिनांक 10 जनवरी 2022 को पुस्तकालय की शुरुआत कर युवाओं के सपने को साकार करने हेतु सुलभ व शांत परिसर में पढाई योग्य वातावरण प्रदान किया हैं जहां कई युवां अपने भविष्य निर्माण में लगे हुए हैं। पुस्तकालय परिसर में युवाओं को आरामदायक बैठक व्यवस्था के साथ ही वाईफाई कनेक्टिविटी भी प्रदान की जा रही हैं जिसके माध्यम से देश–दुनिया की सामान्य जानकारी से अपडेट रहते हैं।

पुस्तकालय में प्रतिमाह औसत 60 युवा अध्ययन करते हैं। गत वर्ष की बात करें तो 200 युवाओं ने अलग–अलग प्रतियोगी परिक्षाओं में भाग लिया व सफलता प्राप्त कर पुस्तकालय के साथ–साथ राजसमन्द जिले का भी नाम रोशन किया हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

संस्थान द्वारा इस बार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन भीम ब्लॉक के दिवेर तथा सिरोही जिले के आबुरोड़ में किया गया। इस बार के कार्यक्रम का विषय ''हिंसा से महिलाओं की आजादी'' रखा गया। कार्यक्रम में राजसमन्द व सिरोही जिले की लगभग 500 महिलाओं, महिला मंच व नारी अदालत के सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने हिंसा से पिड़ित महिलाओं के कानूनी अधिकारों, समानतायुक्त वातावरण निर्माण, परिवारों में आपसी समन्वय व सम्मान प्रदान करने पर विचार रखें। हिंसा से पिड़ित महिलाओं ने अपने जीवन के अनुभव सांझा किये। कार्यक्रम में महिलाओं ने नृत्य–गान के साथ ही खेल गतिविधियों में भी बढचढ़कर भाग लिया।

संस्थान स्थापना दिवस

संस्थान ने अपना 22वां स्थापना दिवस कांकरोली स्थित अपने प्रधान कार्यालय में बडे हर्षोल्लास से मनाया। कार्यक्रम में विधायक दिप्ती माहेश्वरी ने भाग लिया तथा युवाओं को भविष्य निर्माण पर सम्बोधित किया तथा अन्य वक्ताओं ने भी रोजगार परामर्श प्रदान किया। इस अवसर पर किशोर – किशोयियों हेतु कम्प्यूटर लेब का शुभारम्भ भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान किशोर, किशोरियों व महिलाओं ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में राजसमन्द जिले के 500 किशोर, किशोरियों व महिलाओं ने भाग लिया ।

कार्यकारिणी व साधारण सभा

1. पुष्पा सिंघवी
2. मंजुला सुथार
3. शकुन्तला पामेचा
4. ललिता शर्मा
5. जमना वैष्णव
6. शारदा खटीक
7. जसोदा गमेती
8. हिराबाई गमेती
9. दुर्गा गायरी
10. पारुल चौधरी
11. अनु वर्मा
12. विणा द्विवेदी
13. विनोद लसोड़
14. विनिता पालीवाल
15. अरविन्द पामेचा
16. सुरभी नेगी
17. चंदन जैन
18. अश्विनि पालीवाल
19. निशा रानी
20. शशीप्रभा

कार्यकारिणी की बैठकें
15 फरवरी 2024

साधारण सभा की बैठक
31 मार्च 2024

पीड़ित परिवार से मिलकर जताई संवेदना, दी सहायता राशि

- महिला मंच सदस्यों ने की रैली व प्रदर्शन में भागीदारी.

राजसमंद। रैली में भागीदारी करते हुए महिला मंच से जुड़ी महिलाएं।

ब्यूरो/नवज्योति, राजसमंद। उदयपुर जिले के मावली क्षेत्र में गत दिनों मासूम बालिका के साथ दुष्कर्म एवं हत्या की घटना पर संवेदना व्यक्त करते हुए राजस्थान भील समाज विकास समिति पदाधिकारियों ने बालिका के घर पहुंच कर परिवारजनों को सांत्वना एवं आर्थिक सहायता प्रदान की। समिति प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल, प्रदेश महासचिव गंगाराम भील, जिलाध्यक्ष उदयलाल भील, प्रकाशचन्द्र खमनोर, जिला सचिव रामचन्द्र, भूरीलाल देवथड़ी, जालोर से कार्यवाहक जिलाध्यक्ष नारायण भील, सहित प्रतिनिधियों का दल लोपड़ा गांव स्थित बालिका के घर पहुंचा। प्रतिनिधियों ने मृतका के परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की एवं कहा कि इस विकट घड़ी में सम्पूर्ण आदिवासी भील समाज उनके साथ है। यह भी कहा कि सरकार के समक्ष आरोपियों को कड़ी सजा एवं पीड़ित परिवार को न्याय व सहायता दिलाने की पुरजोर मांग रखी गई है। इधर, घटना के विरोध में समिति की ओर से आयोजित रैली व प्रदर्शन में राजसमन्द महिला मंच संयोजिका शकुंतला पामेचा, पुष्पा आदि के साथ बड़ी संख्या में सदस्य महिलाओं ने भी सक्रिय भागीदारी की। इन महिलाओं ने रैली के साथ कलेक्ट्रेट पहुंच कर विरोध प्रदर्शन किया वहीं कलक्टर को ज्ञापन दिया। इस दौरान राजस्थान भील समाज विकास समिति प्रदेश मीडिया प्रभारी गुलाबचंद भील, कार्यकर्ता जगदीशचन्द, ललित कुम्भलगढ़, भील सेना के दिनेश भील देलवाड़ा सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी साथ थे। इसके अलावा सर्व समाज के कई प्रतिनिधियों ने भी जघन्य हत्याकांड पर आक्रोश जताते हुए रैली में शामिल होकर हत्यारे को फांसी व बालिका के परिजनों को आर्थिक सहायता दिलाने की पुरजोर मांग की।

बाल संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन

राजसमंद (प्रात:काल संवाददाता)। राजसमन्द जन विकास संस्थान द्वारा संचालित आगाज परियोजना के तहत जिले के आमेट, खमनोर, राजसमन्द ब्लॉक की 6 ग्राम पंचायतो के कुल 18 गांवों में किशोरी, महिला व किशोर समूह बनाकर बाल विवाह में कमी लाने के लिए प्रयास किये जा रहे है। परियोजना के तहत किशोरियों में नेतृत्व क्षमता विकसित कर एडवोकेसी का कार्य किया जा रहा है तथा बाल विवाहों की रोकथाम व कमी लाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर गठित बाल संरक्षण समितियों को सजग व मजबूती प्रदान करने का कार्य किया जायेगा। परियोजना के तहत ग्राम पंचायत भवन बीकावास में बाल कल्याण समिति अध्यक्ष कोमल पालिवाल की अध्यक्षता व सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग वीणा मेहरचंदानी, बाल संरक्षण अधिकारी नरेश कुमार तंवर के विशिष्ट आतिथ्य में बाल संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष कोमल पालीवाल ने कहा कि आपकी पंचायत में बच्चो के साथ किसी भी तरह का शोषण हो या कोई बाल विवाह हो रहा है तो आप उसे रोकने के लिए मदद को आगे आए। उ सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग वीणा मेहरचंदानी ने कहा कि हमें बाल विवाह के प्रति सोच व व्यवहार में बदलाव लाने की आवश्यकता है। अरविन्द पामेचा ने कहा कि समिति के माध्यम से हमें समुदाय को जागरूक करते हुए बाल विवाह में कमी लानी है व अपनी पंचायत में होने बाल विवाह को रोकना है। प्रोजेक्ट ऑफिसर भूपेन्द्र सिंह राजपूत ने संस्थान का परिचय देते हुए कहा कि संस्थान 2003 से बाल विवाह, महिला हिंसा व विभिन्न मुद्दों पर राजसमन्द व भीलवाड़ा जिले में कार्य कर रही है। प्रोजेक्ट ऑफिसर नीता कुमावत ने बाल विवाह, बाल श्रम, हिंसा, बाल शोषण, असमानता और बाल तस्करी जैसे मुद्दों पर जानकारी प्रदान की व बाल संरक्षण समिति की रूपरेखा, उद्देश्य व समिति के कार्यों पर चर्चा की। साथ ही संस्थान द्वारा किए गए सर्वे को प्रस्तुत किया। नीता कुमावत व भूपेन्द्र सिंह ने बाल विवाह में जिले की स्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि राजस्थान के 10 अधिक बाल विवाह होने वाले जिलो में राजसमन्द तीसरे स्थान पर है जो की हम सब के लिए विचारणीय विषय है तथा हमे प्रयास करते हुए राजसमन्द जिले को टॉप 10 जिलो से बाहर निकालना है। बैठक के अंतिम सत्र में बाल संरक्षण समिति के द्वारा आगामी बैठक की तारीख तय कि गई व निर्णय लिया गया कि आगामी बैठक में समिति अपने उद्देश्य के अनुसार कार्य योजना का निर्माण कर बाल अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर कार्य करेगी।

जागृति परियोजना द्वारा किशोरी समूह लीडर प्रशिक्षण सम्पन्न

गंगापुर-भीलवाड़ा (हुक्मनामा समाचार)। राजसमन्द जन विकास संस्थान द्वारा संचालित जागृति परियोजना के तहत भीलवाड़ा जिले के सहाड़ा ब्लॉक में कुल 10 गाँवों में किशोरी, महिला व किशोर समूह बनाकर बाल विवाह में कमी लाने हेतु प्रयास किये जा रहे है व परियोजना के तहत किशोरियों में नेतृत्व क्षमता विकसित कर एडवोकेसी का कार्य किया जा रहा है साथ ही बाल विवाहों की रोकथाम व कमी लाने हेतु समुदाय स्तर पर संगठनात्मक ढांचे को सजग व मजबूती प्रदान करने का कार्य किया जायेगा व परियोजना के तहत आश्रय स्थल गंगापुर (सहाड़ा) में तीन दिवसीय 15 से 17 नवम्बर किशोरी समूह लीडर क्षमता वर्धन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमे सहाड़ा ब्लॉक की 23 किशोरी समूह लीडर ने भाग लिया।

नगरपालिका अध्यक्ष दिनेश चंद्र तेली ने सभी किशोरियों को संदेश देते हुए कहा कि सभी को अच्छी शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए और बाल विवाह में कमी लाने हेतु इस समुदाय को और अधिक प्रयास करने चाहिए।

प्रशिक्षण में प्रोजेक्ट ऑफिसर भूपेन्द्र सिंह राजपूत ने समूह निर्माण क्यों व कैसे, एडवोकेसी किन मुद्दों पर व किस तरह से की जाती है, संस्थान व संगठन का परिचय, लीडर के गुण या लीडर कैसा होना चाहिए, परियोजना के तहत सिर्फ लड़कियों व महिलाओं के साथ ही कार्य की आवश्यकता क्यों ?, किशोरावस्था की समस्याएं व समाधान, आदि पर प्रशिक्षण प्रदान किया व प्रोजेक्ट ऑफिसर नीता कुमावत ने बाल विवाह में कमी लाने व रोकथाम हेतु हम किस तरह के प्रयास कर सकते है, समूह लीडर की भूमिका व जिम्मेदारियों, सरकारी योजनाओं, बेसलाइन सर्वे, रिपोर्टिंग कार्य व मासिक प्लान पर प्रशिक्षण प्रदान किया व फील्ड कोऑर्डिनेटर ललिता शर्मा ने सम्पूर्ण प्रशिक्षण का संचालन करने के साथ ही बाल विवाह के कारण व दुष्परिणाम के बारे में विभिन्न खेल गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया।

किशोरी समूह लीडर क्षमता वर्धन प्रशिक्षण

रेलमगरा| राजसमंद जन विकास संस्थान द्वारा संचालित परियोजना के तहत ग्राम पंचायत भवन रेलमगरा में तीन दिवसीय किशोरी समूह लीडर क्षमता वर्धन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। रेलमगरा ब्लॉक की 26 किशोरी समूह लीडर ने भाग लिया। प्रशिक्षण में प्रोजेक्ट ऑफिसर भूपेन्द्र सिंह राजपूत ने समूह निर्माण क्यों व कैसे, एडवोकेसी किन मुद्दों पर व किस तरह से की जाती है। संस्थान व संगठन का परिचय, लीडर के गुण या लीडर कैसा होना चाहिए। प्रोजेक्ट ऑफिसर नीता कुमावत ने बाल विवाह में कमी लाने व रोकथाम हेतु हम किस तरह के प्रयास कर सकते है। समूह लीडर की भूमिका व जिम्मेदारियों, सरकारी योजनाओं, बेसलाइन सर्वे, रिपोर्टिंग कार्य व मासिक प्लान पर प्रशिक्षण प्रदान किया। फील्ड को-ऑर्डिनेटर रीना कुंवर ने सम्पूर्ण प्रशिक्षण का संचालन करने के साथ ही बाल विवाह के कारण व दुष्परिणाम के बारे में विभिन्न खेल गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया।

बाल विवाह की रोकथाम एवं दुष्प्रभाव को लेकर दी जानकारी

राजसमंद। जन विकास संस्थान की ओर से देलवाड़ा में आयोजित कम्युनिटी आउटरीच कार्यक्रम में ग्रामीणों को बाल विवाह को लेकर जानकारी देते संस्थान सदस्य व कार्यकर्ता। फोटो : मुबारिक हुसैन

राजसमंद (प्रात:काल संवाददाता)। जन विकास संस्थान द्वारा संचालित जागृति परियोजना के तहत जिले के रेलमगरा, आमेट, कुंभलगढ़ व देलवाड़ा तथा भीलवाड़ा जिले के सहाड़ा ब्लॉक में कुल 50 गांवों में किशोरी, महिला व किशोर समूह बनाकर बाल विवाह में कमी लाने के प्रयास किए जा रहे है। परियोजना के तहत जनजागरूकता के लिए देलवाड़ा गांव में सरपंच मांगीलाल जैन की अध्यक्षता में कम्युनिटी आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सरपंच ने ग्रामवासियों से बाल विवाह नहीं करने तथा बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए समुदाय को प्रेरित किया। प्रोजेक्ट अधिकारी भूपेन्द्रसिंह राजपूत ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान प्रोजेक्टर के माध्यम से संस्थान का परिचय तथा परियोजना की जानकारी प्रदान की। साथ ही बाल विवाह पर समुदाय की सोच में बदलाव लाने के लिए एक फिल्म का प्रदर्शन कर बाल विवाह के दुष्परिणाम पर प्रकाश डाला। प्रोजेक्ट अधिकारी नीता कुमावत ने समुदाय में आपसी संवाद करवाया व किसी समुदाय को विवाह कराए जाने के कारणों पर चर्चा की। इसके बाद एक और फिल्म के माध्यम से बाल विवाह करने के प्रभावों एवं सामाजिक तथा आर्थिक के साथ ही स्वास्थ्य पर होने वाले नकारात्मक प्रभावों को बताया। इस दौरान ग्रामीणों ने बालिकाओं के जल्द विवाह कराने के कारणों को रखा। क्लस्टर समन्वयक उषा रैगर ने चर्चा करते हुए शिक्षा, स्वच्छता व महिला हिंसा पर अपने विचार रखे एवं समुदाय से बाल विवाह नहीं कराए जाने की अपील की। अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बिल्किश बानो ने सहयोग किया।

राजसमंद। जन विकास संस्थान कार्यालय में आयोजित प्रशिक्षण में उपस्थित किशोरियां एवं संस्थान पदाधिकारी।

बाल विवाह रोकथाम का प्रयास

ब्यूरो/नवज्योति, राजसमंद। जन विकास संस्थान द्वारा जिले के खमनोर, आमेट व राजसमंद जिले की 6 ग्राम पंचायतों के 18 गांवों में किशोरी, महिला व किशोर समूह बनाकर बाल विवाह में कमी लाने के लिए प्रयास किये जा रहे है। परियोजना के तहत किशोरियों में नेतृत्व क्षमता विकसित कर एडवोकेसी का कार्य किया जाएगा तथा सरकार द्वारा गठित समितियों के साथ समन्वय स्थापित कर वार्षिक प्लान के अनुसार बाल विवाहों में कमी लाने के लिए कार्य किया जाएगा। इसी के तहत जन विकास संस्थान कार्यालय में तीन दिवसीय किशोरी समूह लीडर क्षमता वर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया। जिसमें आमेट, राजसमंद व खमनोर ब्लॉक की 24 किशोरी समूह लीडर ने भाग लिया। संस्था निदेशक शकुंतला पामेचा ने प्रशिक्षण प्रदान किया। संस्था सलाहकार अरविंद पामेचा ने संस्थान व संगठन का परिचय, लीडर के गुण आदि की जानकारी दी। प्रोजेक्ट अधिकारी भूपेन्द्रसिंह ने बाल विवाह के रोकथाम के लिए किए जाने वाले प्रयास, समूह लीडर की भूमिका, जिम्मेदारियों, सरकारी योजनाओं, बेसलाइन सर्वे, रिपोर्टिंग कार्य व मासिक प्लान पर प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रोजेक्ट अधिकारी नीता कुमावत ने बाल विवाह के कारण व दुष्परिणाम, बाल विवाह की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा गठित समितियों के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया।

रक्तदान शिविर 23 को

नाथद्वारा। स्व. देवी लाल व्यास (बाबू काका) की 13वीं पुण्यतिथि पर 23 अक्टूम्बर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जावद निवासी आयोजक अधिवक्ता मनोहर व्यास ने बताया कि शिविर 23 अक्टूम्बर प्रातः 9 बजे से पंचायत मुख्यालय जावद में आयोजित किया जाएगा।

जिला स्तरीय जनसुनवाई आज

राजसमंद। आमजन की परिवेदनाओं के समाधान के लिए जिला स्तरीय जनसुनवाई गुरुवार प्रातः 11 बजे जिला कलेक्ट्रेट सभागार में रखी है। यह जानकारी एडीएम रामचरन शर्मा ने दी।

महिला मंच से लगाई मदद की गुहार

महिला ने लगाई मदद की गुहार

महिला मंच की कार्यकर्ताओं ने मां को लौटाया बच्चा

राजसमंद। विश्व गर्भनिरोधक दिवस पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में मंचासीन अतिथि। फोटो : मुबारिक हुसैन

विश्व गर्भनिरोधक दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

राजसमंद (प्रात:काल संवाददाता)। विश्व गर्भनिरोधक दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को अर्थ संस्था व जनविकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में नव चेतना राह- स्व निर्णय की ओर विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक दीप्ति माहेश्वरी, विशिष्ट अतिथि सीएमएचओ डॉ. पीसी शर्मा, मंडल अध्यक्ष सुभाष उपस्थित थे। अध्यक्षता महिला व प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सुषमा मोगरी ने की। संस्था मुख्य कार्यकारी डॉ. शरद अय्यंगार व जन विकास संस्थान निदेशिका शकुंतला पामेचा ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में जिले के लगभग 50 युवक-युवतियों तथा क्षेत्रीय गैर-सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डॉ. अय्यंगार ने अर्थ संस्था द्वारा गर्भनिरोधक साधनों का उदयपुर व राजसमंद ग्रामीण क्षेत्रों में चार हजार से अधिक महिलाओं द्वारा उपयोग सम्बन्धित अनुभव को साझा किया। जिसमें यह देखा गया कि अधिकांश महिलाओं में सफलतापूर्वक गर्भनिरोधक के साथ खून की कमी भी दूर होती है। इस साधन को थोड़े समय से लेकर 5 साल के लम्बे अंतराल तक इस्तेमाल किया जा सकता है। डॉ. सुषमा मोगरी ने दम्पतियों को लिए उपलब्ध गर्भनिरोध साधनों, उनके महावारी पर होने वाले असर की जानकारी दी व प्रतिभागियों के सवालों के जवाब दिए। सीएमएचओ डॉ. पीसी शर्मा ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध गर्भनिरोधक साधनों व सेवाओं के बारे में बताया। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने जोर डालते हुए कहा कि ग्रामीण ही नहीं शहरी क्षेत्र में भी गर्भ निरोधक विषय पर खुलकर बातचीत नहीं होती है। उन्होंने आह्वान किया कि स्वास्थ्य के इस अहम मुद्दे पर युवक व युवतियों को सलाह लेने व बातचीत करने में शर्म नहीं करनी चाहिए। अंत में एक खुले सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें समुदाय में काम करने वाली महिला कार्यकर्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए। अंत में निदेशिका शकुंतला पामेचा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजसमंद। नारी अदालत में बच्ची पाकर खुश लीला गमेती व परिवारजन।

नारी अदालत की कोशिशों से लीला को मिली बच्ची

राजसमंद (प्रात:काल संवाददाता)। जिला मुख्यालय पर जन विकास संस्थान ने नारी अदालत का आयोजन किया। जिसमें कई अलग-अलग तरह के केस आये। उनमें से एक केस लीला गमेती का भी था। जिसकी समस्या थी की उसका पति शराब के नशे में उसके साथ मारपीट करता था व उसकी ती। वर्षीय बच्ची को उससे छीन कर उसको रात में घर से बाहर निकाल दिया। लीला अपने माता-पिता के पास चली गयी परन्तु वह अपनी बच्ची से दूर होने की वजह से दुखी थी तथा उसको महिला मंच की जानकारी थी। वह अपनी बच्ची को पाने के उद्देश से अपनी माँ व बड़े पापा के साथ महिला मंच आई व अपनी समस्या महिला मंच की संयोजिका शकुन्तला पामेचा के साथ साझा की। महिला मंच कार्यकर्ता पुष्पा सिंघवी, गीता कुंवर व कैलाश कुंवर को लीला के साथ उसके ससुराल जावद भेजा गया। वहां उन्होंने लीला गमेती के पति उदय लाल से बच्ची के सिलसिले में बात की। पहले तो उदय लाल बच्ची का सही पता बताने से इंकार करता रहा तथा इधर उधर की बातें करता रहा। जब कार्यकर्ताओं ने उसको कानूनी कार्यवाही करने की धमकी दी तब उसने बताया कि बच्ची उसकी बुआ के घर नाथूवास में है। कार्यकर्ता नाथूवास गए व बच्ची को ले कर आये व उसकी मां लीला गमेती को सुपुर्द किया। अपनी बच्ची को पाकर लीला गमेती बहुत खुश हैं। उसने महिला मंच का आभार व्यक्त किया।

जागृति परियोजना का किशोरी समूह लीडर प्रक्षिक्षण सम्पन्न

गंगापुर-भीलवाड़ा, समाचार जगत ब्यूरो। राजसमन्द जन विकास संस्थान द्वारा संचालित जागृति परियोजना के तहत भीलवाड़ा जिले के सहाड़ा ब्लॉक में कुल 10 गाँवों में किशोरी, महिला व किशोर समूह बनाकर बाल विवाह में कमी लाने के लिए प्रयास किये जा रहे है व परियोजना के तहत किशोरीयों में नेतृत्व क्षमता विकसित कर एडवोकेसी का कार्य किया जा रहा है साथ ही बाल विवाहों की रोकथाम व कमी लाने हेतु समुदाय स्तर पर संगठनात्मक ढांचे को सजग व मजबूती प्रदान करने का कार्य किया जायेगा व परियोजना के तहत आश्रय स्थल गंगापुर (सहाड़ा) में तीन दिवसीय 15 से 17 नवम्बर किशोरी समूह लीडर क्षमता वर्धन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमे सहाड़ा ब्लॉक की 23 किशोरी समूह लीडर ने भाग लिया। नगरपालिका अध्यक्ष दिनेश चंद्र तेली ने सभी किशोरियों को संदेश देते हुए कहा कि सभी को अच्छी शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए और बाल विवाह में कमी लाने के लिए इस समुदाय को और अधिक प्रयास करने चाहिए।

राजसमंद दैनिक

छोटी-बड़ी खबरें

रैली बताए बाल विवाह के दुष्परिणाम

नवज्योति/रेलमगरा। जन विकास संस्थान राजसमंद के माध्यम से ग्राम पंचायत सादड़ी के ग्राम लक्ष्मीपुरा के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुरा के छात्रों द्वारा गांव में बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए रैली निकाली गई। समाजसेवी मदन सालवी तेजस्वी लक्ष्मीपुरा ने बताया कि संस्थान द्वारा गांव में रैली निकालकर ग्रामीणों को बाल विवाह से होने वाले नुकसान के बारे में अवगत कराया। संस्थान परियोजना अधिकारी भूपेंद्र कुमार, कार्यकर्ता नीता, ललिता ने ग्रामीणों को बाल विवाह से होने वाले नुकसानों के बारे में विस्तार से बताया। रैली के साथ राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक शिव लाल जाट, अध्यापक हीरालाल, विजय मीणा, मनोज, प्रमिला के साथ ग्रामीण रतनलाल, सोहनलाल, देवी लाल जाट, किशन लाल, लादू लाल सालवी सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

उड़ान योजना के तहत किया निःशुल्क सेनेटरी पेड का वितरण

राजसमंद। राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजना उड़ान के अन्तर्गत एसआरके कोलेज में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को सेनेटरी नेपकिन का निःशुल्क वितरण किया गया। प्राचार्य शकुंतला शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे महिला नीति आयोग से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम का जन विकास संस्थान निदेशक शकुंतला पामेचा द्वारा आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं को महिला अधिकारों व कानूनों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्राओं तथा सभी महिला संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में आभार प्रदर्शन नोडल अधिकारी डॉ. विभा शर्मा ने किया तथा संचालन हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. उषा शर्मा ने किया।

हिंसा | हिंसा से महिलाओं को आजादी

महिला मंच का अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम आयोजित

- राजसमन्द महिला मंच द्वारा राजसमन्द व भीलवाड़ा जिले में पिछले 25 वर्षों से महिला व बाल अधिकारों के लिये विभिन्न परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से कार्य कर रहा है क गुरुवार को आवरी माता मन्दिर बाघाना।

कुछ बनने की चाह रखने वाली छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रम का आयोजन

राजसमंद (प्रात:काल संवाददाता)। राजसमन्द जन विकास संस्थान की ओर से नानू भाई फाउंडेशन के सहयोग से जिले में सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाली मेधावी छात्राओं के लिए जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है लेकिन आगे की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहयोग चाहती है। जिनके कुछ सपने हैं, कुछ बनने के कुछ कर गुजर जाने की चाह है, ऐसी छात्राओं के लिए मंगलवार को छात्रवृत्ति कार्यक्रम का आयोजन राजसमन्द जन विकास संस्थान के महिला विकास केंद्र पर किया गया। जिसमें जिले के राजसमंद, आमेट, खमनोर, नाथद्वारा, रेलमगरा व कुम्भलगढ़ ब्लॉक की 21 छात्राओं का चयन किया गया। दिसम्बर माह से ही समस्त जिले के समस्त सरकारी स्कूलों से 12वीं कक्षा में पढ़ रही मेधावी छात्राओं की जानकारी प्राप्त करके उनसे एक फार्म भरवाया गया तथा उनके 10 वीं व 11 वीं के अंक तालिका एवं गरीब स्थिति के हिसाब से 21 छात्राओं का चयन किया गया। जब तक ये छात्राएं कोई मुकाम हासिल नहीं कर लेंगी तब तक इनकी शिक्षा के 90 प्रतिशत तक खर्चा संस्थान द्वारा उठाया जायेगा। इन छात्राओं से उनके भविष्य में क्या बनना चाहती हैं उससे सम्बन्धित दस्तावेजों का सत्यापन के लिए साक्षात्कार का आयोजन किया गया। जिसने सभी 21 छात्राओं ने भाग लिया तथा उनके अभिभावकों ने इस में अपना हिस्सा ले कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। साक्षात्कार कार्यक्रम में छात्राओं ने डॉक्टर, इंजीनियर, समाजसेविका, कलेक्टर, स्वयं का व्यवसाय करने की इच्छा जाहिर की गई। आगे इनकी क्षमता और इच्छा शक्ति को ध्यान में रखते हुए इनका चयन किया जायेगा।

बाल विवाह की रोकथाम को लेकर किया जागरूक

बाल विवाह में कमी लाने को लेकर जन विकास संस्थान की बैठक सम्पन्न

राजसमंद। बाल विवाह की रोकथाम को लेकर ग्रामीणों के साथ बैठक लेते जन विकास संस्थान के सदस्य। फोटो- मुबारिक हुसैन

राजसमंद। जन विकास संस्थान की ओर से संचालित आगाज परियोजना के तहत जिले के आमेट, खमनोर, राजसमन्द ब्लॉक की 6 ग्राम पंचायतो के कुल 18 गांवों में किशोरी, महिला व किशोर समूह बनाकर बाल विवाह में कमी लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के क्रम में बीकावास ग्राम पंचायत भवन में बाल कल्याण समिति अध्यक्ष कोमल पालीवाल की अध्यक्षता व सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग वीणा मेहरचंदानी, बाल संरक्षण अधिकारी नरेश कुमार तंवर के विशिष्ट आतिथ्य में बाल संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

बाल कल्याण समिति अध्यक्ष कोमल पालीवाल ने कहा कि आप ... निदेशक वीणा मेहरचंदानी ने कहा की हमें बाल विवाह के प्रति सोच व व्यवहार में बदलाव लाने की आवश्यकता है। अरविन्द पामेचा ने कहा कि समिति के माध्यम से हमें समदाय को जागरूक करते हुए बाल ... भीलवाड़ा जिले में कार्य कर रही है। नीता कुमावत ने बाल विवाह, बाल श्रम, हिंसा, बाल शोषण, असमानता और बाल तस्करी जैसे मुद्दों पर जानकारी दी। बैठक के अंतिम सत्र में बाल संरक्षण समिति ने आगामी बैठक ...

महिलाओं ने रैली निकालकर बाल विवाह नहीं करने का दिया संदेश

बाल संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन

राजसमंद (प्रात:काल संवाददाता)। राजसमन्द जन विकास संस्थान द्वारा संचालित आगाज परियोजना के तहत जिले के आमेट, खमनोर, राजसमन्द ब्लॉक की 6 ग्राम पंचायतो के कुल 18 गांवों में किशोरी, महिला व किशोर समूह बनाकर बाल विवाह में कमी लाने के लिए प्रयास किये जा रहे है। परियोजना के तहत किशोरियों में नेतृत्व क्षमता विकसित कर एडवोकेसी का कार्य किया जा रहा है तथा बाल विवाहों की रोकथाम व कमी लाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर गठित बाल संरक्षण समितियों को सजग व मजबूती प्रदान करने का कार्य किया जायेगा। परियोजना के तहत ग्राम पंचायत भवन बीकावास में बाल कल्याण समिति अध्यक्ष कोमल पालिवाल की अध्यक्षता व सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग वीणा मेहरचंदानी, बाल संरक्षण अधिकारी नरेश कुमार तंवर के विशिष्ट आतिथ्य में बाल संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष कोमल पालीवाल ने कहा कि आपकी पंचायत में बच्चो के साथ किसी भी तरह का शोषण हो या कोई बाल विवाह हो रहा है तो आप उसे रोकने के लिए मदद को आगे आए। उ सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग वीणा मेहरचंदानी ने कहा कि हमें बाल विवाह के प्रति सोच व व्यवहार में बदलाव लाने की आवश्यकता है। अरविन्द पामेचा ने कहा कि समिति के माध्यम से हमें समुदाय को जागरूक करते हुए बाल विवाह में कमी लानी है व अपनी पंचायत में होने बाल विवाह को रोकना है। प्रोजेक्ट ऑफिसर भूपेन्द्र सिंह राजपूत ने संस्थान का परिचय देते हुए कहा कि संस्थान 2003 से बाल विवाह, महिला हिंसा व विभिन्न मुद्दों पर राजसमन्द व भीलवाड़ा जिले में कार्य कर रही है। प्रोजेक्ट ऑफिसर नीता कुमावत ने बाल विवाह, बाल श्रम, हिंसा, बाल शोषण, असमानता और बाल तस्करी जैसे मुद्दों पर जानकारी प्रदान की व बाल संरक्षण समिति की रूपरेखा, उद्देश्य व समिति के कार्यों पर चर्चा की। साथ ही संस्थान द्वारा किए गए सर्वे को प्रस्तुत किया। नीता कुमावत व भूपेन्द्र सिंह ने बाल विवाह में जिले की स्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि राजस्थान के 10 अधिक बाल विवाह होने वाले जिलो में राजसमन्द तीसरे स्थान पर है जो की हम सब के लिए विचारणीय विषय है तथा हमे प्रयास करते हुए राजसमन्द जिले को टॉप 10 जिलो से बाहर निकालना है। बैठक के अंतिम सत्र में बाल संरक्षण समिति के द्वारा आगामी बैठक की तारीख तय कि गई व निर्णय लिया गया कि आगामी बैठक में समिति अपने उद्देश्य के अनुसार कार्य योजना का निर्माण कर बाल अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर कार्य करेगी।

'नारी शोषण की अवतीर्ण प्रथाएं जरूरत है सामाजिक पुनः निर्माण की' थीम पर संगोष्ठी का आयोजन

राजसमंद (प्रात:काल संवाददाता)। राजसमन्द जन विकास संस्थान की ओर से सोमवार को वन बिलियन राईजिंग के सहयोग से कार्यालय परिसर में नाता प्रथा विषय पर 'नारी शोषण की अवतीर्ण प्रथाएं जरूरत है सामाजिक पुनः निर्माण की' थीम पर संगोष्ठी आयोजित हुई। संस्थान निदेशक शकुन्तला पामेचा ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सलाहकार नारायण तेली ने हिंसा से पीड़ित महिलाओ के कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी दी। अध्यक्षता कर रहे बाल कल्याण समिति अध्यक्ष कोमल पालीवाल ने बच्चों की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों की विस्तार से जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि महिला थाने के एसएसआई कमलेन्द्र सिंह ने हिंसा से पीड़ित महिलाओ की सुरक्षा व न्याय दिलाने के लिए पुलिस विभाग की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मौजूद समाज के जातिपंच भगवानलाल व दौलतराम ने नाता प्रथा से प्रभावित महिलाओं व बच्चों के भविष्य को देखते हुए सामाजिक व्यवस्थाओं पर जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में नाता प्रथा पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे स्थानीय महाविद्यालय की बालिकाओं ने नाता/प्रथा के पक्ष-विपक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत किए। शशि प्रभा, पारुल चौधरी व अरविन्द पामेचा ने निर्णायक की भूमिका निभाई। किशोर बालको की टोली ने लोक नृत्य गवरी का प्रस्तुतीकरण किया। इस दौरान नाता प्रथा से प्रताड़ित महिलाओं ने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस तरह से नाता प्रथा महिलाओं व उनके बच्चों के जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लेने वाली तथा नृत्य प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। अंत में संस्थान अध्यक्ष पुष्पा सिंघवी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान संस्थान से परियोजना अधिकारी भूपेन्द्र सिंह राजपूत, नीता कुमावत, ललिता शर्मा, दिव्या नंगारची, शबाना परवीन, चन्दा वैष्णव, बिल्किश बानो, रीना कुंवर, केशर भील सहित संभागी मौजूद थे। संचालन संस्थान प्रतिनिधि शारदा खटीक ने किया।

राजसमंद। राजसमन्द जन विकास संस्थान की ओर से आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित करते अतिथि एवं मौजूद संभागी।

नाता प्रथा पर मंथन, समझाए कानूनी अधिकार

ब्यूरो/नवज्योति, राजसमंद। राजसमन्द जन विकास संस्थान की ओर से सोमवार को वन बिलियन राइजिंग के सहयोग से कार्यालय परिसर में नाता प्रथा विषय पर संगोष्ठी आयोजित हुई। संस्थान निदेशक शकुन्तला पामेचा ने हिंसा से पीड़ित महिलाओं के कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष कोमल पालीवाल ने बच्चों की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों की विस्तार व न्याय दिलाने के लिए पुलिस विभाग की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मौजूद समाज के जातिपंच भगवानलाल व दौलतराम ने नाता प्रथा से प्रभावित महिलाओं व बच्चों के भविष्य को देखते हुए सामाजिक व्यवस्थाओं पर जानकारी की बालिकाओं ने नाता प्रथा के पक्ष-विपक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत किए। शशि प्रभा, पारुल चौधरी व अरविन्द पामेचा ने निर्णायक की भूमिका निभाई। किशोर बालकों की टोली ने लोक नृत्य गवरी का प्रस्तुतीकरण किया। इस दौरान नाता महिलाओं व उनके बच्चों के जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। खुले सत्र में उपस्थित सहभागियों ने अपनी-अपनी समस्याओं व नाता प्रथा को लेकर सवाल किए, मौजूद अतिथियों ने उनकी समस्याओं के समाधान किया गया। अंत में संस्थान अध्यक्ष पुष्पा सिंघवी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान संस्थान से परियोजना अधिकारी भूपेन्द्र सिंह राजपूत, नीता कुमावत, ललिता शर्मा, दिव्या नंगारची, शबाना परवीन, चन्दा वैष्णव, बिल्किश ...

भील समाज की बैठक में सामाजिक कुरीतियों को त्यागने की चर्चा में राजसमंद जन विकास संस्थान भी प्रेरणा स्त्रोत बने

राजसमंद। आमेट तहसील क्षेत्र के देलाणा भेरुनाथ स्थानक मन्दिर प्रांगण में भील समाज की सिम चोकला के नो गांवो की बैठक में समाज सुधार हेतु बाल विवाह पर पाबन्दी, नशाखोरी पर पाबन्दी, अंधविश्वास, रूढ़िवादी कुरीतियों को त्याग कर शिक्षा की ओर विशेष ध्यान दिए जाने की चर्चा हुई इस दौरान भेरुनाथ मन्दिर प्रांगण में निर्मित भील समाज की सराय को मन्दिर निर्माण के कारण गिराया गया था जिसे वापस बनाने के लिए लंबे अरसे से भील समाज भेरुनाथ ट्रस्ट समिति को सराय निर्माण के लिए अवगत कराया जा रहा था तो भेरुनाथ ट्रस्ट समिति ने पूर्व भेरुनाथ पुजारी के निर्मित मकानों को भील समाज की सराय के रूप में आज दिनांक 20/04/2023 को भील समाज को सराय के रूप में सुपुर्द कर दिया गया जिसे भील समाज ने हर्ष व्यक्त किया गया इस दौरान भील समाज विकास समिति के आमेट तहसील शाखा के भगवानलाल, तुलसी राम, अंबालाल, हीरा लाल, शंकर लाल, धन्ना लाल, डालु राम, कैलाश चंद, हर लाल इत्यादि कालेसरिया, आसन, नाकजी का गुड़ा, सेलागुड़ा, देलाणा, नवाड़, बीकावास, गादरोला सहित नो ... शकुंतला पामेचा, अरविन्द पामेचा प्रोजेक्ट ऑफिसर नीता कुमावत, भूपेन्द्र सिंह, फील्ड कोर्डिनेटर भाग्यवंती पालीवाल ने भी सामाजिक कुरीतियों पर चर्चा कर इन्हे ...

वित्तिय लेखा-जोखा

RAJSAMAND JAN VIKAS SANSTHAN

Women progress centre, Somnath Circle, Nathdwara Road, Kankroli, Rajsamand-313324

CONSOLIDATED

Balance Sheet as on 31st March, 2023

(In Rs.)

LIABILITIES		AMOUNT	ASSETS		AMOUNT
GENERAL FUND			**FIXED ASSETS**		
Opening Balance	13512608		Land	192759	
Add-Surplus/ (Deficit) during the year 2022-23	2963685		Borewell	61791	
	16476293	16476293	Building	10815137	
Membership Fee			Computers	325093	
Opening Balance	4075		Office Equipments	33940	
Add: Addition during the year	5900	9975	Furniture & Fixtures	331485	11760205
Loans and Advances to Others			**Closing Stock**		
Mahila Manch	125000		Teri Stove		
Astha Sansthan	275000	400000			16200
Current Liabilities			**Other Current Assets**		
Audit fees payable	15000		TDS Receivable	31005	
Deduction from Staff salary as Security deposit	41656		Others	20712	
Other Payables	3250	59906	Staff Advance	4338	
			Advance to related parties	2000	58055
			Investments In Fixed deposits & Mutual funds		
			AU Small Finance Bank	1689239	
			HDFC Bank	2267303	
			Indusind bank	43165	
			UTI Debt funds	300000	4299707
			Cash & Cash Equivalents		
			Cash in hand	64943	
			Balance with Banks	747064	812007
TOTAL		16946174	TOTAL		16946174

The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date
For Dinesh kherodia & Associates
Chartered Accountants
(Firm Reg. No. 030540C)

Dinesh Kherodia & Associates, Chartered Accountants, RAJSAMAND, M.No. 195416

CA Dinesh kherodia
Proprietor
Membership No. 195416

पुष्पा सिंघवी
(Smt. Pushpa Singhavi)
President
अध्यक्ष
राजसमन्द जन विकास संस्थान

(Smt. Shakuntala Pamecha)
Secretary
सचिव
राजसमन्द जन विकास संस्थान

Place : Kankroli (Rajsamand)
Dated : 05.09.2023
UDIN: 23195416BGUUFY6611

RAJSAMAND JAN VIKAS SANSTHAN

Women progress centre, Somnath Circle,Nathdwara Road, Kankroli, Rajsamand-313324

CONSOLIDATED

Income & Expenditure Account for the year ended on 31st March, 2023

EXPENDITURES		AMOUNT	INCOME	AMOUNT	AMOUNT
Administrative Expenses			**Grant & Donations Received (2022-23)**		
Audit fees	15000		Grant in Aid	4458120	
Accounting Fee	30000		Govt of Rajasthan (For women empowerment)	330547	
Bank Charges	4764		Fees received from Library	329011	
Gardening & Housekeeping Expense	16527		Donation Received	335202	
Legal & Professional Expenses	38775		Miscleneous Income received	733933	6186813
Office Expenses	141396				
Photocopy & Stationary	26332				
Repairs to Building/Others	16825				
Telephone Expense	40419		**Interest and other Incomes**		
Travelling Expenses	10754		Interest on Saving Bank	46501	
Miscellaneous expenses	5529		Interest on FDR	227640	274141
Electricity Expenses	59791				
Unutilized Grant return to Funding agency back	194878	600990	Adjustment relating to prior yeas		50000
Programme Expenses					
Fixed Overhead and other miscellaneous Expense	670933				
Nari Adalat Awareness Meeting	27839				
Kiyawas Sthapna Diwas Exp	19490				
Mahila Diwas Expenses	19054				
Field work Honarorium expense	309236				
Travelling & Conveyance expenses	14031				
Training expenses	191427				
Salary, Compensation & staff welfare	1539640				
Training & workshops	95712				
Outrich Event & Rally Expenses	19915				
Women Empowerment Activity	39003	2946280			
Surplus Carried over to Balance Sheet		2963685			
TOTAL		6510954	TOTAL		6510954

The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date
For Dinesh kherodia & Associates
Chartered Accountants
(Firm Reg. No. 030540C)

Dinesh Kherodia & Associates, Chartered Accountants, RAJSAMAND, M.No. 195416

CA Dinesh kherodia
Proprietor
Membership No. 195416

पुष्पा सिंघवी
(Smt. Pushpa Singhavi)
President
अध्यक्ष
राजसमन्द जन विकास संस्थान

(Smt. Shakuntala Pamecha)
Secretary
सचिव
राजसमन्द जन विकास संस्थान

Place : Kankroli
Dated : 05.09.2023
UDIN: 23195416BGUUFY6611

RAJSAMAND JAN VIKAS SANSTHAN

Women progress centre, Somnath Circle, Nathdwara Road, Kankroli , Rajsamand-313324

CONSOLIDATED

Receipt & Payment Account for the year ending 31st March,2023

RECEIPTS		AMOUNT
Opening Balance		
Cash in Hand	13306	
Cash at Banks :		
Indusind Bank	449053	
HDFC Bank - 50100142714516	333158	
Punjab National Bank	145729	
Axis Bank	102504	
AU Small finance Bank	1494341	2538091
Grant Received (2022-23)		
Grant in Aid	4458120	
Donation & Others	743113	
Govt of Rajasthan (for women empowerment)	330547	
Interest on Bank balance/FDR (Net of TDS)	258374	5790154
Other Receipts		
Cheque issued but not presented for payment		251595
Recovery of Loan		12000
TOTAL		**8591840**

PAYMENTS		AMOUNT
Administrative Expenses		
Provision for Audit fees	9000	
Bank Charges	4764	
Gardening & Housekeeping Expense	16527	
Legal & Professional Expenses	48775	
Office Expenses	150069	
Photocopy & Stationary	24132	
Repairs to Building/Others	165821	
Telephone Expense	18810	
Travelling Expenses	24785	
Miscellaneous expenses	36029	
Unutilized Grant return to Funding agency back	194878	
Electricity Expenses	59776	753366
Programme Expenses		
Awareness Meeting	27839	
Capacity Building Training	69000	
Kiyawas Sthapna Diwas Exp	3000	
Training & workshops	95712	
Women Empowerment Activity	72009	
Cheque issued but not presented for payment	23652	
Leadership training Expenses	43200	
Field work training expense	388053	
Printing and stationery	6766	
Event expenses	1300	
Salary expenses	1678792	
Unutilized Local Grant return back	25000	
Payment to Bhumi Construction co	51248	
Reimbursement of expenses (Arvind Ji)	138167	2623738
Procurement of Fixed Assets		
Purchase of Computers	148150	
Purchase of Furniture & Fixtures	126788	
Construction of Building	128085	403023
Closing Balances		
Cash in hand	64943	
Cash at Banks:		
Balance with Banks	747064	
Balance with Fixed deposits	3999707	4811714
TOTAL		**8591840**

The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date
For Dinesh kherodia & Associates
Chartered Accountants
(Firm Reg. No. 030540C)

Dinesh Kherodia & Associates ★ Chartered Accountants ★ RAJSAMAND M.No. 195416

पुष्पासिंघवी

CA Dinesh kherodia
Proprietor
Membership No. 195416

(Smt. Pushpa Singhavi)
President

अध्यक्ष
राजसमन्द जन विकास संस्थान

(Smt. Shakuntala Pamecha)
Secretary

सचिव
राजसमन्द जन विकास संस्थान

Place : Kankroli
Dated : 05.09.2023
UDIN: 23195416BGUUFY6611

हमारे सहयोगी

AMERICAN JEWISH WORLD SERVICE

EMpower

Azim Premji Foundation

SATYARTHI
KAILASH SATYARTHI CHILDREN'S FOUNDATION

GIRLS NOT BRIDES

jagorigrameen

actionaid

Simavi

राजसमन्द जन विकास संस्थान

महिला मंच (महिला विकास केन्द्र)

सोमनाथ चौराये के पास, नाथद्वारा रोड़,
कांकरोली, राजसमन्द